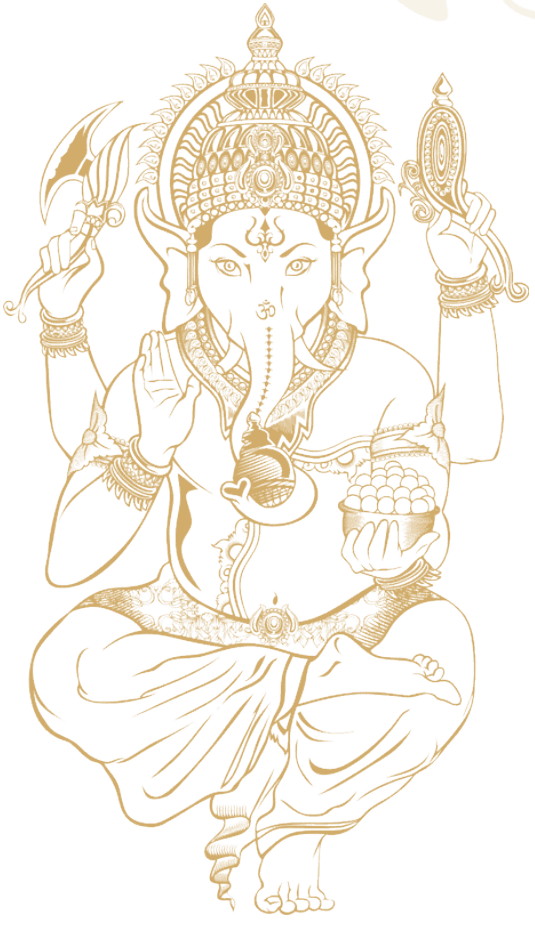

Mr.Harshita

20 Jul 2001

06:31 PM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 120678404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/07/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:31:00 घंटे**
इष्ट	32:06:32 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:09:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:20 घंटे
साम्पातिक काल	14:02:39 घंटे
सूर्योदय	05:40:23 घंटे
सूर्यास्त	19:15:39 घंटे
दिनमान	13:35:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:59:59 कर्क
लग्न के अंश	23:23:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	नाग
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	23:23:57	363:04:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कर्क	03:59:59	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	00:04:27	14:56:17	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	21:14:11	00:00:30	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			मिथु	17:04:30	01:41:39	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	07:47:03	00:13:03	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	22:31:52	01:07:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			वृष	17:14:08	00:06:08	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:26:17	00:01:19	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:26:17	00:01:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	29:58:40	00:02:04	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:46:31	00:01:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:57:56	00:01:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			तुला	08:59:38	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:27

लग्न-चलित

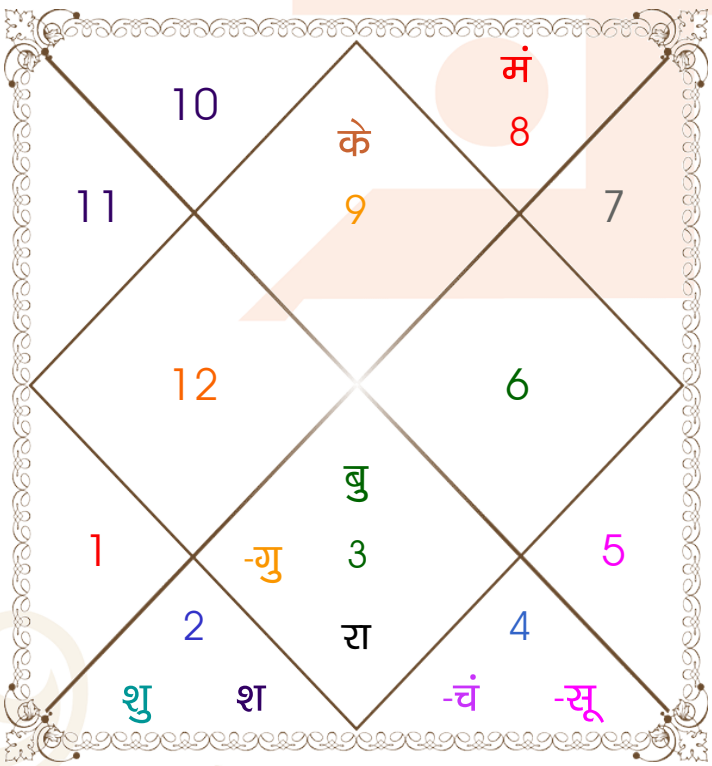

चन्द्र कुंडली

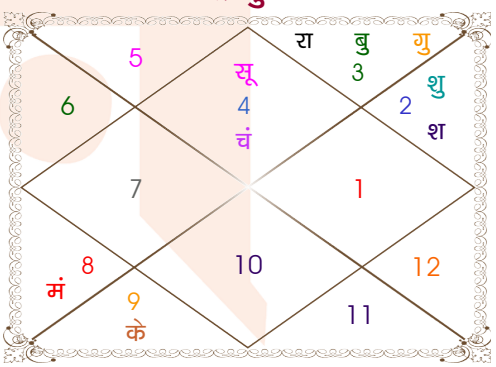

नवमांश कुंडली

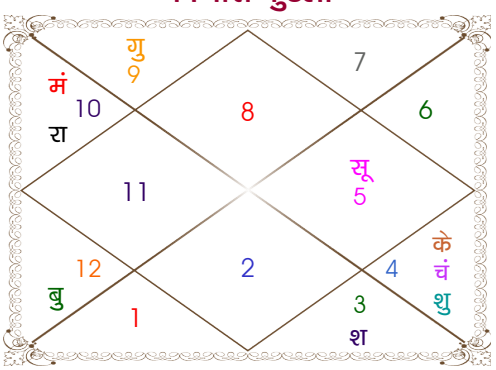

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 10 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/07/2001		18/06/2005		18/06/2024		18/06/2041		18/06/2048	
18/06/2005		18/06/2024		18/06/2041		18/06/2048		18/06/2068	
	00/00/0000	शनि	21/06/2008	बुध	14/11/2026	केतु	14/11/2041	शुक्र	18/10/2051
	00/00/0000	बुध	01/03/2011	केतु	11/11/2027	शुक्र	14/01/2043	सूर्य	17/10/2052
	00/00/0000	केतु	09/04/2012	शुक्र	11/09/2030	सूर्य	22/05/2043	चंद्र	18/06/2054
	00/00/0000	शुक्र	09/06/2015	सूर्य	19/07/2031	चंद्र	21/12/2043	मंगल	18/08/2055
	00/00/0000	सूर्य	21/05/2016	चंद्र	17/12/2032	मंगल	18/05/2044	राहु	18/08/2058
	20/07/2001	चंद्र	20/12/2017	मंगल	14/12/2033	राहु	06/06/2045	गुरु	18/04/2061
चंद्र	16/02/2002	मंगल	29/01/2019	राहु	03/07/2036	गुरु	13/05/2046	शनि	18/06/2064
मंगल	23/01/2003	राहु	05/12/2021	गुरु	09/10/2038	शनि	21/06/2047	बुध	18/04/2067
राहु	18/06/2005	गुरु	18/06/2024	शनि	18/06/2041	बुध	18/06/2048	केतु	18/06/2068

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/06/2068		18/06/2074		18/06/2084		18/06/2091		19/06/2109	
18/06/2074		18/06/2084		18/06/2091		19/06/2109		00/00/0000	
सूर्य	05/10/2068	चंद्र	18/04/2075	मंगल	14/11/2084	राहु	28/02/2094	गुरु	07/08/2111
चंद्र	06/04/2069	मंगल	17/11/2075	राहु	02/12/2085	गुरु	24/07/2096	शनि	17/02/2114
मंगल	12/08/2069	राहु	18/05/2077	गुरु	08/11/2086	शनि	31/05/2099	बुध	25/05/2116
राहु	06/07/2070	गुरु	17/09/2078	शनि	18/12/2087	बुध	18/12/2101	केतु	01/05/2117
गुरु	24/04/2071	शनि	18/04/2080	बुध	14/12/2088	केतु	06/01/2103	शुक्र	31/12/2119
शनि	05/04/2072	बुध	17/09/2081	केतु	12/05/2089	शुक्र	06/01/2106	सूर्य	18/10/2120
बुध	10/02/2073	केतु	18/04/2082	शुक्र	12/07/2090	सूर्य	30/11/2106	चंद्र	21/07/2121
केतु	18/06/2073	शुक्र	18/12/2083	सूर्य	17/11/2090	चंद्र	31/05/2108		00/00/0000
शुक्र	18/06/2074	सूर्य	18/06/2084	चंद्र	18/06/2091	मंगल	19/06/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी

बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।